हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

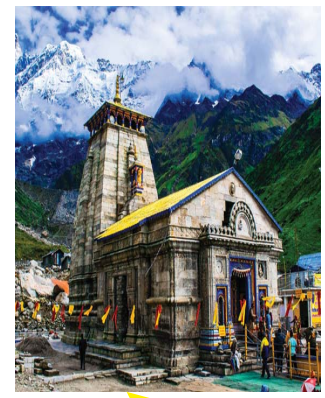

वर्ष:4 अंक:269 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, शुक्रवार, 03 अक्टूबर 2025

रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने के लिए भ्रष्टाचार रूपी रावण का करेंगे अंत: मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी विजयदशमी के अवसर पर वेलफेयर सोसाइटी द्वारा हिंदू नेशनल स्कूल, लक्ष्मण चौक देहरादून में आयोजित दशहरा महोत्सव व रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों को विजयदशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं और कहा कि यह आयोजन हमारे सांस्कृतिक गौरव एवं सामाजिक चेतना का प्रतीक है।

सीएम धामी ने इस मौके पर राज्यसभा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष नरेश बंसल को साधुवाद देते हुए कहा कि लक्ष्मण चौक पर हर वर्ष होने वाला यह आयोजन जनता में सांस्कृतिक जागरण का माध्यम बन चुका है।

संघ की शताब्दी और राम मंदिर पर जताया गर्व

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। करोड़ों कार्यकर्ताओं की तरह मेरे जीवन में भी संघ की विचारधारा और प्रेरणा राष्ट्र कार्य के लिए ऊर्जा देती है। उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हमारे युग का सबसे बड़ा सांस्कृतिक एवं धार्मिक गौरव है।

असत्य पर सत्य की विजय

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि दशहरा केवल पर्व ही नहीं, बल्कि जीवन में सत्य और धर्म का मार्ग दिखाने वाला संदेश है। भगवान राम ने अपने जीवन से यह प्रेरणा दी कि धर्म की रक्षा के लिए कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न आएँ, विजय सदैव धर्म की ही होती है।

जिहाद और अराजकता पर कठोर रुख

सीएम धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार प्रदेश से लव जिहाद, लैंड जिहाद, धर्मांतरण जिहाद और अन्य बुराइयों को समाप्त करने के लिए कटिबद्ध है। दंगारोधी कानून के अंतर्गत दंगाइयों की संपत्ति जब्त की जा रही है और उनसे ही नुकसान की भरपाई कराई जा रही है।

नकल माफियाओं पर सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले नकल माफियाओं पर सरकार ने सख्त नकेल कसी है। प्रदेश में देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू किया गया है, जिसका परिणाम है कि पिछले चार वर्षों में 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियाँ मिली हैं। हाल ही में सामने आए नकल प्रकरण पर भी तत्काल कार्रवाई कर स्ट्रेंथ का गठन किया गया और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मामले में युवाओं को भ्रमित कर राजनीतिक षड्यंत्र करना चाहता था, लेकिन सरकार ने युवाओं से संवाद कर उन्हें सीबीआई जांच का आश्वासन दिया है।

मदरसा बोर्ड समाप्त करने का निर्णय

सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने मदरसा बोर्ड को समाप्त करने का निर्णय लिया है। 1 जुलाई 2026 के बाद केवल वही मदरसे संचालित होंगे, जिनमें सरकारी बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा। सरकार का लक्ष्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराना है।

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने के लिए भ्रष्टाचार रूपी रावण का भी अंत किया जाएगा। जीरो टॉलरेंस की नीति के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों में आईएएस और पीसीएस स्तर के अधिकारियों सहित 200 से अधिक भ्रष्ट अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की गई है।

अग्रणी राज्य बनाएंगे उत्तराखंड

सीएम धामी ने कहा कि सरकार प्रभु राम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए ÷विकल्प रहित संकल्प÷ के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने जनता से अपील की कि सभी लोग अपने जीवन में सत्य, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को अपनाएँ, ताकि एक सशक्त, समृद्ध और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण हो सके।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजान दास सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

नर्सिंग कॉलेज क्षेत्र की बेटियों व युवाओं को स्वरोजगार और सेवा के करेगा, नए अवसर प्रदान: त्रिवेन्द्र सिंह रावत

- जन सेवा के लिए हुआ, श्री ध्रुव चैरिटेबल ट्रस्ट हॉस्पिटल का निर्माण: संत बालक दास
- श्री ध्रुव चैरिटेबल ट्रस्ट हॉस्पिटल परिसर में सासंद के करकमलों से नर्सिंग कॉलेज के भूमि पूजन शिलान्यास समारोह संपन्न

हरिद्वार। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद हरिद्वार त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि विजयादशमी के पावन अवसर पर ग्राम सजनपुर पीली, नजीबाबाद रोड, हरिद्वार स्थित श्री ध्रुव चैरिटेबल ट्रस्ट हॉस्पिटल में नर्सिंग कॉलेज के भूमि पूजन व शिलान्यास कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। पूज्य संतजनों की पावन उपस्थिति में हुए इस कार्यक्रम से स्वास्थ्य व शिक्षा क्षेत्र में नई दिशा मिलेगी। यह नर्सिंग कॉलेज क्षेत्र की बेटियों व युवाओं को स्वरोजगार और सेवा के नए अवसर प्रदान करेगा।?

गौरतलब है कि श्री ध्रुवभक्ति सेवा आश्रम ट्रस्ट के संस्थापक महामंडलेश्वर स्वामी ध्रुवदास महाराज (गाय पगला, सुरत) के सानिध्य में दशहरा के शुभ अवसर पर श्री ध्रुव चैरिटेबल ट्रस्ट हॉस्पिटल में नर्सिंग कॉलेज का भूमि पूजन गुरूवार को मुख्य अतिथि सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, के कर कमलों से संपन्न हुआ। इस मौके पर हास्पिटल के संस्थापक संत बालकदास महाराज ने कहा कि जनसेवा के लिए समर्पित श्री ध्रुव चैरिटेबल ट्रस्ट हॉस्पिटल में मरीजों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। आयुष्मान कार्ड पर मरीजों का नि:शुल्क ईलाज किया जा रहा है। अब नर्सिंग कॉलेज के लिए भूमि पूजन शिलान्यास समारोह संपन्न हो गया है। जल्द ही नर्सिंग कालेज भी शुरू हो जायेगा।इस मौके पर आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में 740 मरीजों ने लाभ लिया। शिविर में अल्ट्रासाउंड, ईसीजी, खून की सभी आवश्यक जाँचें एवं दवाइयाँ पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम में संत बालक दास महाराज, बाबा देव दास महाराज, बाबा हठ योगी, विष्णु दास महाराज सहित अन्य सम्मानित महामंडलेश्वर संत उपस्थित रहे।इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में सीएमओ आर. के. सिंह, आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, भाजपा नेता वीरेन्द्र सिंह रावत, ब्रिज मोहन पोखरियाल, विक्रम चौहान, सरिता अमोली, कमलेश द्विवेदी, अजय चौधरी, बाबुल लाल गुप्ता तथा अस्पताल के सभी ट्रस्टीगण एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।कार्यक्रम का वातावरण धार्मिकता, सेवा भाव और स्वास्थ्य जागरूकता से परिपूर्ण रहा।

दशहरा पर दिल्ली में भारी बारिश

रावण दहन कार्यक्रम में नहीं शामिल हो सके पीएम मोदी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लगातार हो रही बारिश के चलते दशहरा कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न हुई। जोरदार बारिश के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दशहरा कार्यक्रम में शामिल होने का प्रोग्राम रद्द हो गया। आज के रावण दहन कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी आने वाली हैं, और उनका दौरा रद्द नहीं हुआ।

पीएम मोदी पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज में आईपी एक्सटेंशन रामलीला समिति द्वारा आयोजित दशहरा समारोह में भाग लेने आने वाले थे। मगर लगातार होती बारिश के चलते उनका दौरा कैंसल हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लाल किला के माधवदास पार्क में आयोजित श्री धार्मिक लीला कमेटी में पहुंचीं थी, जहां रावण दहन कार्यक्रम विधिवत संपन्न हुआ। इधर दूसरी तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नेताजी सुभाष प्लेस पीतमपुरा स्थित श्री केशव रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला में आना भी रद्द हो गया। शाह के आगमन के चलते यहां भारी पुलिस सुरक्षा बल तैनात था, जो उनके न आने की खबर सामने आने के बाद धीरे-धीरे हट गया है। इसके बाद शाह के आगमन के बिना ही रावण दहन कार्यक्रम शुरू हुआ।

दशहरा पर वीवीआईपी आगमन के चलते दिल्ली में 20 हजार जवानों को तैनात किया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, रामलीला मैदान में बहुस्तरीय व्यवस्था और तोड़फोड़-रोधी जाँच के साथ सुरक्षा बढ़ा दी गई है। त्वरित प्रतिक्रिया दल, स्वाट कमांडो और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी भी तैनात किए गए हैं। यातायात पुलिस ने कहा कि विभिन्न मार्गों पर मार्ग परिवर्तन और प्रतिबंध लगाए जाएँगे। पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी निगरानी, डॉग स्क्वॉड और ड्रोन-रोधी उपाय लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि संवेदनशील स्थानों पर और चौकियाँ स्थापित की गई हैं और बाज़ारों व सार्वजनिक स्थानों पर गश्त बढ़ा दी गई है। मुख्य रामलीला मैदानों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएँ और अग्नि सुरक्षा दल तैनात किए गए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने रामपुर तिराहे पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, शहीद स्थल का होगा री-डेवलपमेंट

पथ प्रवाह, मुजफ्फरनगर/देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को रामपुर तिराहा (मुजफ्फरनगर, उ.प्र.) पहुंचकर उत्तराखंड राज्य आंदोलन के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों की स्मृति को नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने शहीद स्थल के री-डेवलपमेंट का मास्टर प्लान तैयार करने की घोषणा की। स्मारक परिसर में संग्रहालय को भव्य रूप दिया जाएगा, वहीं एक बस स्टॉपेज और कैंटीन भी बनाई जाएगी ताकि यह स्थल श्रद्धांजलि और प्रेरणा का केंद्र बने।

रामपुर तिराहा गोलीकांडः राज्य आंदोलन का काला अध्याय

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि 2 अक्टूबर 1994 का रामपुर तिराहा गोलीकांड उत्तराखंड आंदोलन के इतिहास का सबसे दर्दनाक अध्याय है। उस दिन निर्दोष आंदोलनकारियों पर की गई गोलीबारी और महिलाओं के साथ हुए अमानवीय अत्याचार आज भी हर उत्तराखंडी के दिल को झकझोर देते हैं। उन्होंने कहा कि जनता की रक्षा करने वालों ने ही हिंसा और बर्बरता की सारी सीमाएँ पार कीं और शांतिपूर्ण आंदोलन को निर्दयता से कुचलने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा, यह दिन हमें याद दिलाता है कि उत्तराखंड राज्य की नींव शहीदों के बलिदान और उनके खून से सींची गई है।

आंदोलनकारियों और आश्रितों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि आंदोलनकारियों के त्याग और बलिदान के कारण ही उत्तराखंड को अलग राज्य का दर्जा मिला। उनकी स्मृतियों और सपनों को साकार करने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है।

राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण।

शहीद आंदोलनकारियों के परिवारों को 3000 मासिक पेंशन।

घायल और जेल गए आंदोलनकारियों को 6000, जबकि सक्रिय आंदोलनकारियों को 4500 प्रतिमाह पेंशन।

93 चिन्हित आंदोलनकारियों को राजकीय सेवा में नियुक्ति।

आंदोलनकारियों को निःशुल्क बस यात्रा सुविधा।

महिलाओं के सम्मान में सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू।

स्थानीय योगदान को मिलेगा सम्मान

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि रामपुर, सिसौना, मेघपुर और बागोंवाली में जनमिलन केन्द्र स्थापित कर आंदोलनकारियों की सहायता को चिरस्थायी बनाया गया है। उन्होंने शहीद स्मारक हेतु भूमि दान करने वाले स्वर्गीय महावीर शर्मा को नमन करते हुए घोषणा की कि स्मारक में उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

राज्य में सशक्त कानून और सुधार

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड की अस्मिता और पहचान की रक्षा के लिए कठोर निर्णय ले रही है। राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने वाला पहला प्रदेश है। सख्त नकल विरोधी कानून, जिससे 4 वर्षों में 24 हजार युवाओं को नौकरियां दी गई। धर्मांतरण विरोधी कानून लागू, 9 हजार एकड़ भूमि अतिक्रमण से मुक्त।दंगारोधी कानून लागू कर सामाजिक सौहार्द की सुरक्षा। मदरसा बोर्ड समाप्त करने का निर्णय, 1 जुलाई 2026 से केवल सरकारी पाठ्यक्रम आधारित मदरसे संचालित होंगे। 'ऑपरेशन कालनेमि' के माध्यम से सनातन संस्कृति को बदनाम करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, पूर्व सांसद संजीव बालियान, विधायक प्रदीप बत्रा, उमेश कुमार, विरेंद्र जाति, दर्जाधारी मधु भट्ट, राज्य आंदोलनकारी एवं अन्य गणमान्य मौजूद रहे। इसके अलावा सचिव युगल किशोर पंत, जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित, एसएसपी हरिद्वार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और आंदोलनकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खादी ग्रामोद्योग भवन से की खरीदारी

पथ प्रवाह, देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज चकराता रोड स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन का दौरा कर वहां से खादी एवं अन्य स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से स्वदेशी अपनाने और स्थानीय उत्पादों की खरीद बढ़ाने की अपील की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने %मन की बात% कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से स्वदेशी अपनाने और वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने का आग्रह किया था। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने इस दिशा में अपनी सहभागिता जताते हुए कहा कि खादी केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और महात्मा गांधी के स्वदेशी विचारों का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की खरीद से न केवल स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और लघु उद्योगों को मजबूती मिलेगी, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था भी सशक्त होगी। उन्होंने

प्रदेशवासियों से विशेष रूप से त्योहारों के अवसर पर स्वदेशी उत्पाद अपनाने और अधिक से अधिक खादी एवं स्थानीय वस्तुओं की खरीदारी करने का आग्रह किया।

पुष्कर धामी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो रहा है और वोकल फॉर लोकल केवल एक नारा नहीं, बल्कि आर्थिक और सांस्कृतिक आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक कदम है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में उत्तराखंड खादी और अन्य स्वदेशी उत्पादों का बड़ा केंद्र बनेगा, जिससे प्रदेश की पहचान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, व्यापारी और कारीगर उपस्थित रहे, जिन्होंने मुख्यमंत्री की पहल का उत्साहवर्धन किया।

श्रीराम के जीवन से सामाजिक समरसता की लें प्रेरणाः पदम सिंह

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष में श्री गंगानगरी कालोनी में संघ की श्रीराम बस्ती, रानीपुर हरिद्वार द्वारा विजयादशमी एवं शस्त्र पूजन किया गया। स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश मे उत्साह पूर्वक, घोष के साथ नगर में पथ संचलन किया। पथ संचलन का जगह जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

संघ द्वारा पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। आरएसएस के क्षेत्र प्रचार प्रमुख पदम सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि संघ की स्थापना क्यों और कैसे हुई। संघ की सौ वर्ष की गतिविधियों, कार्यशैली व उपलब्धियां को बताया। श्री राम के जीवन चरित्र का अनुभव समाज के सामने रखते हुए समरसता कैसे आएगी इसके लिए हिंदू समाज को जात पात से ऊपर उठकर एक जुट होने का आह्वान किया। संघ के पंच परिवर्तन को भी रेखांकित किया। संघ का परचम आज विश्व मे लहराना यह संघ के प्रभाव को दिखाता है। रानीपुर नगर सर संघचालक वकील ने संघ के 100 वर्ष के उत्थान व वर्तमान संघ के क्रियाकलाप को विस्तार से समझाया। दूसरी ओर हरिद्वार नगर

की सुभाष नगर बस्ती में आयोजित विजयदशमी उत्सव में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री अजय कुमार ने कहा कि संघ की 100 वर्ष की यात्रा त्याग,समर्पण की गाथा से भारी हुई है। उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष में संपूर्ण समाज की एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पंच परिवर्तन की पहल के तहत समाज में सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्यों के पालन, स्वाधारित जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संचालक डॉ. यतीन्द्र नग्यान ने की। इस मौके पर शस्त्र पूजन कर स्वयंसेवको द्वारा पथ संचलन निकला गया।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जयंती पर महात्मा गांधी और शास्त्री जी की मूर्ति पर किया माल्यार्पण

महापुरूष हमारे प्रेरणा स्त्रोत : जिलाधिकारी

पथ प्रवाह संवाददाता।

हरिद्वार। जनपद में गांधी जयन्ती तथा लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती धूमधाम से मनाई गई। जिला कार्यालय में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, अपर जिलाधिकारी दीपेन्द्र सिंह नेगी ने महात्मा गांधी जी व लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर, श्रद्धासुमन अर्पित किये।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद वासियों को बधाई देते हुए कहा कि महापुरूष हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं। हम सभी को महापुरूषों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी ने इस देश में अनेकता में एकता की भावना को बड़े ही सहज ढंग से रखा है। उन्होंने कहा कि जो राह महापुरूषों ने दिखाई है उस पर सभी को चलने का प्रयास करना चाहिए। गांधी जी के सत्य, अहिंसा के विचार व व्यवहार पूरे विश्व के लिये प्रेरणा श्रोत है। उनके विचारों को अपनाकर हमेशा सच के साथ चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने कार्य पूरी ईमानदारी व निष्ठा से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री ने हमारे देश को जय जवान, जय किसान का जो नारा दिया था, जिससे पूरे देश ने एकजुट होकर कार्य किया जोकि राष्ट्र की मजबूती का प्रतीक बन गया।

अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि महात्मा गांधी हमेशा अहिंसा और सत्य का पाठ पढ़ाया करते थे, देश को आजाद कराने तथा देश में फैली विभिन्न सामाजिक कुरितियों को समाप्त कराने की दिशा में महात्मा गांधी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

गांधी जयन्ती के अवसर पर आनंदमई सेवा सदन महिला इंटर कॉलेज के छात्राओं द्वारा रघुपति राजा राम गीत की प्रस्तुति भी दी गई तथा जिलाधिकारी द्वारा सभी छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। इस दौरान मुख्य वित्त अधिकारी अजय कुमार, वरिष्ठ भूलेख अधिकारी उत्तम कुमार, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, इंचार्ज ज्वाइंट डायरेक्टर लॉ बिंदेश्वरी प्रसाद टम्टा सहित जिला कार्यालय के कर्मचारी तथा आधिकारी मौजूद थे।

सुमित चौधरी हत्याकांड का खुलासा : कनखल पुलिस ने 72 घंटे में दबोचे तीन आरोपी

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हरिद्वार पुलिस ने कनखल में हुई सुमित चौधरी गोलीकांड की गुत्थी 72 घंटे के भीतर सुलझाते हुए तीन फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। कनखल थाना पुलिस टीम की ने हत्याकांड के बाद से ही आरोपियों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर ताबड़तोड दबिश दी। जिसके बाद आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

घटना का विवरण

29 सितंबर 2025 को थाना कनखल क्षेत्र स्थित दयाल एंक्लेव, जगजीतपुर में सुमित चौधरी नामक युवक की कुछ लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। घायल युवक को निजी हास्पिटल में आरोपियों ने भर्ती कराया और फरार हो गए। सूचना पर थाना कनखल में मु0अ0सं0 284/25, धारा 109 ठदैर के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करते समय कारतूस का खोखा भी बरामद किया।

जांच और कार्रवाई

एसएसपी हरिद्वार के आदेश पर प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र शाह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की गतिविधियों का पता लगाया। लगातार दबिश के बाद 1 अक्टूबर 2025 को तीनों फरार आरोपी थाना क्षेत्र बैरागी कैंप से गिरफ्तार कर लिए गए।

पूछताछ में सामने आया कि मृतक सुमित चौधरी और आरोपियों के बीच पहले से जान-पहचान थी तथा पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हुआ था, जिसके चलते वारदात को अंजाम दिया गया।

जगजीतपुर चौकी प्रभारी

इस पूरे हत्याकांड का खुलासा करने में जगजीतपुर चौकी प्रभारी सुधांशु कौशिक ने उल्लेखनीय भूमिका अदा की। आरोपियों की पहचान करने के लिए गिरफ्तारी के तमाम सार्थक प्रयास किए। आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दी गई। जिसके चलते आरोपियों के गिरेबां तक पुलिस पहुंच सकी।

बरामदगी

एक रिवॉल्वर मय 04 जिंदा कारतूस, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (बिना नंबर), घटनास्थल से बरामद कारतूस का खोखा

गिरफ्तार आरोपी

1. सावन पुत्र हरि सिंह, निवासी जमालपुर कला, थाना कनखल, हरिद्वार
2. निशांत पुत्र गोविन्द, निवासी शांति बिहार कॉलोनी, ज्वालापुर; स्थाई निवासी ग्राम रणसुरा, थाना देवबंद, जिला सहारनपुर (उ.प्र.)
3. कृष्णा पुत्र तेजपाल, निवासी राजीव नगर कॉलोनी, लाल मंदिर, थाना कोतवाली ज्वालापुर, हरिद्वार

पुलिस टीम

प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र शाह, व0उ0नि0 नितिन चौहान, उ0नि0 सुधांशु कौशिक, हे0का0 सन्नी सिंह, का0 407 सतेन्द्र सिंह रावत, का0 प्रलव चौहान, का0 उमेद सिंह।

महंत रविंद्र पुरी जी महाराज बोले: विजयदशमी धर्म और सत्य की विजय का पर्व, संघर्ष से ही जीवन में उजाला संभव

पथ प्रवाह, हरिद्वार

विजयदशमी का पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि जीवन और समाज में अच्छाई की शक्ति और न्याय की विजय का संदेश है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्रपुरी जी महाराज ने कहा कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि कठिन संघर्ष और दृढ़ संकल्प से ही बुराई पर विजय संभव है।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्रपुरी जी महाराज ने अपने संदेश में सभी देशवासियों से आग्रह किया कि जीवन में साहस, संयम और सत्यनिष्ठा को अपनाकर हर चुनौती का सामना किया जाए। उन्होंने कहा, ÷जैसे भगवान श्रीराम ने धर्म और न्याय की स्थापना के लिए संघर्ष किया, वैसे ही हर व्यक्ति अपने जीवन की कठिनाइयों को मात देकर सफलता हासिल कर सकता है।÷

विजयदशमी केवल राम और रावण की कथा का पर्व नहीं है, बल्कि यह समाज में अच्छाई, संघर्ष और नैतिक मूल्यों की जीत का प्रतीक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विशाल मेले आयोजित होते हैं, जहां रावण, मेघनाद और कुम्भकर्ण के पुतले दहन किए जाते हैं।

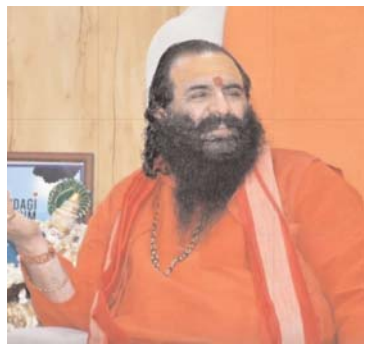

महंत रविंद्रपुरी जी ने इसे जीवन में बुरे कर्मों और गलत प्रवृत्तियों के अंत और सत्य की शक्ति की विजय के प्रतीक के रूप में देखे जाने की अपील की है। उन्होंने यह भी कहा कि संघर्ष का मार्ग कठिन हो सकता है, लेकिन यदि उद्देश्य धर्म और न्याय की स्थापना है, तो विजय निश्चित है। विजयदशमी हर उस प्रयास को सम्मानित करती है जो समाज और जीवन में अच्छाई की रक्षा के लिए किया जाता है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी जी महाराज ने सभी नागरिकों को इस शुभ अवसर पर विजयदशमी की शुभकामनाएँ दी और कहा कि मां भगवती मनसा देवी का आशीर्वाद सदैव आप पर बना रहे। उन्होंने सभी भक्तों से आग्रह किया कि अपने जीवन में धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाएँ।

उत्तराखंड में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' में 13.48 लाख की निशुल्क स्वास्थ्य जांच

पथ प्रवाह, देहरादून

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखंड की ओर से चलाए जा रहे 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' ने राज्यभर में जबरदस्त सफलता हासिल की है। अभियान के तहत 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक कुल 21,268 स्वास्थ्य शिविर (स्क्रीनिंग एवं स्पेशलिटी कैंप) आयोजित किए गए, जिसमें 13.48 लाख से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई।

अभियान का उद्देश्य जन-जन तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना और गंभीर बीमारियों की रोकथाम करना है। इन शिविरों में 5.87 लाख से अधिक लोगों की उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) जांच की गई, 5.50 लाख लोगों ने मधुमेह (डायबिटीज) की जांच कराई, जबकि 4.90 लाख लोगों की कैंसर (मुख, गर्भाशय ग्रीवा एवं स्तन) की स्क्रीनिंग की गई। इसके अतिरिक्त, प्रदेशभर में 95,628 लोगों की टीबी जांच हुई, 13,155 लोगों का निक्शय मित्र पोर्टल पर पंजीकरण किया गया और सिकल सेल रोग की जांच 276 लोगों की हुई। अभियान के दौरान 6.99 लाख से अधिक लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अब तक 11,786 नए कार्ड बनाए गए और ई-रक्तकोष पोर्टल पर

67,807 रक्तदाताओं का पंजीकरण हुआ, जिससे 8,885 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।महिला स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया। गर्भवती महिलाओं के लिए अब तक 87,954 एएनसी (प्रेग्नेंसी चेकअप) कराए गए, जबकि महिलाओं ने बड़ी संख्या में कैंसर जांच शिविरों में भाग लिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, राज्य सरकार की प्राथमिकता हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। जिस तरह से 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' को जनता का सहयोग मिल रहा है, वह प्रेरणादायक है। हमारी सरकार चाहती है कि राज्य की हर नारी स्वस्थ हो और हर परिवार सशक्त बने। यही कारण है कि स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से हम अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचा रहे हैं। हमारा संकल्प है-हर घर की थाली शुद्ध रहे और हर परिवार की खुशियाँ सुरक्षित रहें।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा, ÷प्रदेशभर में आयोजित इन स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लाखों लोग स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। कैंसर, डायबिटीज, टीबी और हाई ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियों की जांच और रोकथाम के लिए यह अभियान मील का पत्थर साबित हो रहा है। खासकर महिला एवं बाल स्वास्थ्य इस अभियान का केंद्रबिंदु है। हमारी कोशिश है कि गाँव-गाँव, दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचें और कोई भी व्यक्ति इलाज से वंचित न रहे।

एक नजर

धर्मनगरी में धूं–धूं कर जला अहंकारी रावण का पुतला, मेघनाथ और कुंभकरण भी जले

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। जगह जगह दशानन रावण और कुंभकरण के अलावा मेघनाथ के भी पुतले दहन किए गए। पुतला दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। रोडी बेलवाला में श्री रामलीला कमेटी द्वारा रामलीला के बाद रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। भूपतवाला स्थित शनि देव मंदिर के सामने मैदान में, भीमगोडा, भेल सेक्टर एक और चार में, दक्ष मंदिर, कृष्णा नगर, जगजीतपुर फुटबॉल ग्राउंड, जमालपुर, जटवाड़ा पुल, बहादराबाद पीठ बाजार आदि स्थानों पर भी रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान आकर्षक आतिशबाजी का नजारा देखने को मिला। दशहरे मेलों में बच्चों ने तीर, तलवार, गदा, मुखौटे आदि खरीदे। दशहरे पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की और से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। श्री कृष्णा नगर रामलीला कमेटी द्वारा दशहरा महोत्सव रामलीला मैदान में धूमधाम से मनाया गया। दशहरा देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। खचाखच भरे मैदान में राम द्वारा रावण का पुतला दहन किया गया। इससे पूर्व राम रावण युद्ध हुआ। जिसमें राम लक्ष्मण की सेना में शामिल सुग्रीव, हनुमान, अंगद, नल नील, विभीषण और वानरों ने रावण की सेना पर विजय प्राप्त की और राम ने दस सिर वाले रावण का वध कर सीता को प्राप्त किया। तत्पश्चात विभीषण को लंका का राजा घोषित किया गया। अब राम, लक्ष्मण, सीता का अयोध्या में वापसी का मंचन होगा। शोभायात्रा पूर्व मेयर अनिता शर्मा के कनखल स्थित निवास से प्रारंभ होकर रामलीला मैदान आयेगी। जहां राम का राज्याभिषेक होगा।

शास्त्री की रखी विकास की नींव हमारी समृद्धि का आधार : खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती पर नमन करते हुए आज कहा कि उन्होंने देश के विकास की जो नींव रखी थी वह आज हमारी समृद्धि का आधार बनकर खड़ी है। खरगे ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में 1965 में इलाहाबाद में एक गाँव की सभा में श्री शास्त्री के शब्दों को उद्धरित करते हुए कहा, आज़ादी के 10-12 सालों में देश ने वो प्रगति कर दी है जो 200 सालों में अंग्रेजी राज में नही हुई। हमारे यहां हवाई जहाज और मोटर गाड़ियां बन रही है। नए बांध नयी नहरें बन रही हैं, अस्पताल, स्कूल और सड़कें बन रही हैं। उन्होंने शास्त्री जी को अपना आदर्श बताते हुए कहा, आज हमारे आदर्श, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर हम उनके देश के प्रति अभूतपूर्व योगदान को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।उन्होंने भूमि सुधारों से लेकर दुग्ध और हरित क्रांति की नींव रखने तक, रेलवे में तृतीय श्रेणी को समाप्त करने से लेकर बसों में महिलाओं के लिए सीटें सुरक्षित कराने तक, 1965 के युद्ध से लेकर अपने गाँधीवादी आदर्शों के माध्यम से राष्ट्र सेवा करने तक–हर क्षेत्र में अपनी अद्वितीय कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। कांग्रेस पार्टी ने भी अपने आधिकारिक पेज पर पूर्व प्रधानमंत्री को नमन करते हुए कहा, महान नेता और देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर सादर नमन। शास्त्री जी की सादगी, उनकी सत्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा।

संपादकीय

रावण का पुतला जला, लेकिन समाज में जिंदा रावण

हर साल दशहरे पर्व को हम बड़े गर्व और उल्लास के साथ रावण के पुतले को जलाकर मनाते हैं। मान्यता यही है कि असत्य पर सत्य की विजय हुई, अन्याय पर न्याय की जीत हुई, और भगवान श्रीराम के आदर्शों की स्थापना हुई। लेकिन सवाल यह है कि क्या वास्तव में रावण जलता है?

ज़रा अपने आसपास निगाह डालिए–रावण तो अब भी जिन्दा है।

बेटियां घर की चारदीवारी में भी सुरक्षित नहीं हैं। कभी दहेज के लिए जलती हैं, तो कभी हवस का शिकार बनती हैं। बुजुर्ग मां-बाप अपने ही बच्चों से अपने बनाए घर में रहने की अनुमति मांग रहे हैं। जबकि सरकार वृद्धाश्रम बना रही है, क्योंकि संतान ने रिश्तों के मानवीय बंधन तोड़ दिए हैं।

भाई-भाई संपत्ति के झगड़े में एक-दूसरे के खून के प्यासे हैं, पुलिस थानों में रिश्तों का दर्द दर्ज हो रहा है। अहंकार इंसान के सिर चढ़कर बोल रहा है–गरीब अपने हक से वंचित है, समाज में उपेक्षा झेल रहा है। दोस्ती और रिश्तों के पैमाने अब आर्थिकी पर टिके हैं। मंदिरों की घंटियां भी उम्मीद और स्वार्थ के लालच में बजाई जा रही हैं।

आज का समाज उस स्थिति में आ खड़ा हुआ है, जहां ÷शबरी के झूठे बेर÷ कोई राम नहीं खा रहा। मां-बाप का मोह संतान छोड़ रही है, और मानवता धीरे-धीरे इंसान से काफूर हो रही है।

यही कारण है कि असली रावण आज भी हमारे भीतर जिंदा है–वह रावण जो अहंकार है, लालच है, वासना है, क्रोध है, और विश्वासघात है।

अगर वास्तव में दशहरा मनाना है तो सिर्फ पुतला जलाने से काम नहीं चलेगा। हमें अपने भीतर छिपे रावण को जलाना होगा। राम के आदर्शों को केवल पूजा-पाठ तक सीमित न रखकर अपने जीवन में उतारना होगा। तभी असत्य पर सत्य की जीत का वास्तविक अर्थ साकार होगा। रावण बाहर नहीं, भीतर जलना चाहिए–यही सच्चा दशहरा होगा।

रामायण के अनुसार दुर्गा पूजा का महत्व

संजय गोस्वामी

रामायण के अनुसर दुर्गा पूजा का भी महत्व है, दुर्गा पूजा में नवरात्र पर प्रथम देवी शैलपुत्री और द्वितीय देवी ब्रह्मचारिणी के वर्णन के पश्चात् तीसरे दिवस में चंद्रघंटा देवी के प्रसंग में सीता जी का विनियोग होता है।सीता जी चिन्मयी और चिद्विलासिनी हैं।चराचर जगत् इन्हीं सीता जी का विलास है।लंका में हनुमान् जी इन्हीं सीता जी के चरणों में बार-बार नमन निवेदित करती हैं। देवी के नवरूपों में उनका तृतीय रूप *चंद्रघंटा* का है।चंद्रघंटा देवी का ध्यान करते हुए हमारे ऋषि कहते हैं- इनके मस्तक में घंटे के आकार के अर्द्धचंद्र हैं। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है।इनके दस हाथों में शस्त्रादि हैं।इनकी मुद्रा युद्ध के लिए तैयार जैसी हैं।इनके घंटे की भयानक ध्वनि से अत्याचारी दानव,दैत्य सभी डरते हैं।यहाँ यह ध्यातव्य है कि चंद्रघंटा देवी अपने सिर पर अर्द्धचंद्र धारण करती हैं।इसी प्रकार जानकी जी भी चंद्र धारण करती हैं।अंतर यह है कि उनका अर्द्धचंद्र सिर पर है और इनके जीवन को पीयूष प्रदान करनेवाले पूर्णावतार *श्रीरामचंद्र* इनके हृदय में सतत् निवास करते हैं और स्वरूपतः साकार रूप में सदा साथ रहते हैं।सीता जी का यह चंद्र सदा पूर्ण ही रहता है,कभी अर्द्ध नहीं होता।वहाँ चंद्रघंटा देवी के शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला कहा गया है।यहाँ सीता जी के बारे में गोस्वामीजी कहते हैं- सुंदरता कहुँ सुंदर करई।छविगृह दीपसिखा जनु बरई।।अर्थात अखिल ब्रह्मांड की सुंदरता जिनकी आभा की ऋणी है, अर्थात् जो सुंदरता को भी सुंदर करनेवाली हैं।ऐसा प्रतीत होता है कि सुंदरता रूपी घर में दीपक की स्वर्णाभ लौ जल रही हो।ऐसी असाधारण सुंदरता है सीता जी की।चंद्रघंटा देवी के दसों हाथ में अस्त्र-शस्त्रादि हैं और वे युद्ध के लिए तैयार रहती हैं।उनसे सभी दैत्य-दनुज डरते हैं।यहाँ सीता जी की कथा और अनुपम है।एक कथा है कि जब राम की वीर-पूजा होने की बात हुई तो कहा गया कि अभी तो आपने बीस भुजावाले रावण को मारा है।सहस्त्रभुज रावण तो जीवित है।उससे युद्ध की तैयारी हुई।सहस्त्रभुज रावण सामने आया और उसने एक बाण ऐसा मारा कि लंका का वीर लंका में, किष्किंधा का वीर किष्किंधा में और अयोध्या का वीर अयोध्या में जाकर गिरा।सारे प्रयास विफल गये।तब नारद जी ने भगवान् श्री राम से कहा कि आप चिंतित क्यों हैं महाराज! उसका वध जनक नंदिनी जानकी जी करेंगी।रामजी ने कहा ये कोमलांगी सीता युद्ध कैसे करेंगी? नारद जी ने कहा आप हमसे मंत्र दीक्षा लेकर इनसे प्रार्थना कीजिए तभी कार्य पूर्ण होगा।तब भगवान् श्रीराम ने प्रार्थना करते हुए कहा-वन्दे विदेहतनया पद पुण्डरीकं कैशोर सौरभ समाहृत योगिचित्तम।हन्तुं त्रितापमनिशं मुनिहंस सेब्यं सन्मानसालि परिपीतपरागपुञ्जम।। आदि,तब श्री जी का दिव्य स्वरूप प्रकट हुआ और उन्होंने सहस्त्रभुज रावण का वध किया। (भागवत सुधा-करपात्री जी महाराज, षष्ठ पुष्प) यह है चंद्रघंटा देवी और श्री सीता जी का चरित है।हनुमानजी लंका में जगदंबा सीताजी के सम्मुख खड़े होकर रामकृपा प्राप्ति का वरदान प्रकार कृतार्थ हो गये।उनके मानस में जगदंबा सीता का संपूर्ण स्वरूप चित्रवत् अंकित हो गया।नौ बार माता/जननी कहने के बाद सुत शब्द सुनकर वे गदगद थे।और *करहुँ कृपा प्रभु अस सुनि काना।* के बाद तो वे उनके चरणारविंदों पर समर्पित हो गये-बार बार नाएसि पद सीसा। बोला बचन जोरि कर कीसा।।कूष्माण्डेति चतुर्थकम् और जगदंबा जानकी-देवी दुर्गा का चतुर्थ रूप कूष्माण्डा है।अर्थात् अपनी इषत् हास्य से अण्ड को अर्थात् ब्रह्माण्ड को प्रकट कर देती हैं, वे शक्ति कूष्माण्डा हैं।सूर्य के समान इनके तेज की झलक दसों दिशाओं में व्याप्त है।इनकी आठ भुजाओं में कमंडल, धनुष, बाण, ,कमलपुष्प, अमृतपूर्ण कलश,चक्र और गदा के साथ जपमाला सुशोभित हैं।सिंह पर आसीन होकर देदीप्यमान हैं।इन्हें कूष्माण्ड (कुम्हड़ा) अति प्रिय है।अतएव इस शक्ति का कूष्माण्डा यह नाम लोक मंज प्रसिद्ध है।श्री हनुमान् जी जगदंबा सीता जी के चरणों में सिर नवाकर बार-बार नमन निवेदित कर रहे हैं- *बार बार नाएसि पद सीसा।* सीता जी का वर्णन करते हुए गोस्वामीजी कहते हैं कि ये भगवान् श्रीराम जी की प्राणप्रिया आद्या शक्ति हैं।इन्हीं के भ्रुकुटि विलास मात्र से उत्पत्ति-स्थिति-संहारादि कार्य हुआ करते हैं- उद्भवस्थितिसंहारकारिणीं क्लेशहारिणीम। सर्वश्रेयस्करीं सीतां नतोऽहं रामवल्लभाम्।। ऐसा ही कथन सीतोपनिषद् में मिलता है- उत्पत्तिस्थितिसंहारकारिणी सर्वदेहिनाम्।। सीता भगवती ज्ञेया मूलप्रकृतिसंज्ञिता।अर्थात् समस्त देहधारियों की उत्पत्ति, पालन तथा संहार करनेवाली आद्याशक्ति मूल प्रकृतिसंज्ञक श्री सीता जी ही हैं।ऐसे अनेक उद्धरण शास्त्रों में मिलते हैं।एतदर्थ यह कहा जा सकता है कि कूष्माण्डा देवी इषत् हास्य से सृष्टि का निर्माण करती हैं तो सीता जी भ्रुकुटि विलास से उत्पत्ति, पालन और संहार करती हैं।

दशहरा: भगवान राम ने भी मरणासन्न अवस्था में पड़े रावण से निति शिक्षा का ज्ञान लेने लक्ष्मण को उनके पास भेजा

पिथौरागढ़। मनुष्य सभ्यता की सबसे बड़ी त्रासदी यह रही है कि उसने अपने इतिहास और परंपराओं से चुनिंदा हिस्सों को ही ग्रहण किया और बाकी को या तो भुला दिया या फिर प्रतीकात्मक जलसों के नाम पर उसे राख कर दिया। आज जब हम हर वर्ष विजयादशमी के अवसर पर रावण का पुतला जलाते हैं, तब हमें एक क्षण के लिए भी यह विचार नहीं आता कि जिस रावण को हम प्रतीक बनाकर दहन कर रहे हैं, उसकी विद्वत्ता, उसका ज्ञान, उसकी नीति और उसका आदर्श चरित्र कहीं हमारी आत्मा को प्रश्नचिह्नित तो नहीं कर रहा। रामायण के युग में भगवान राम जैसे मर्यादा पुरुषोत्तम ने जब अपने अनुज लक्ष्मण को मरणासन्न रावण के चरणों में भेजकर कहा कि जाओ, यह रावण संसार का महाज्ञानी है, इससे धर्म, राजनीति और जीवन के गूढ़ सिद्धांत सीखकर आओ–तो क्या यह केवल शिष्टाचार था? नहीं, यह उस स्वीकार्यता का प्रमाण था कि रावण जैसा व्यक्ति, चाहे कितना भी विरोधी क्यों न हो, ज्ञान और सिद्धांतों के मामले में अजेय था। आज का समाज उस रावण के पूतले को जलाते हुए यह सोचने की भी जहमत नहीं उठाता कि क्या हम वास्तव में उस रावण से श्रेष्ठ हैं, या फिर हम अपनी ही आत्मा को, अपने ही अंतर-मन के उस विवेकशील स्वरूप को जला रहे हैं।

रावण केवल अहंकार का प्रतीक नहीं था, वह पराक्रम और विद्या का भी आदर्श था। वह वेदों का ज्ञाता था, शिवभक्त था, और साथ ही लंका को समृद्धि और सम्पन्नता का शिखर बनाने वाला शासक भी। उसके शासनकाल में लंका सोने की नगरी कही जाती थी। वहां प्रजा का कल्याण था, भौतिक सम्पन्नता थी, और वह शत्रुओं को छोड़कर अपने नागरिकों के लिए आदर्श राजा था। उसने शिवतांडव स्तोत्र जैसी रचना की, जो आज भी अद्वितीय है। तो प्रश्न यह है कि क्या हम उस रावण का दहन कर रहे हैं, या फिर हम अपने भीतर के उस आदर्श, उस विद्वत्ता, उस पराक्रम और उस नीति को मिटा रहे हैं, जिसकी आज हमें सबसे अधिक आवश्यकता है?

आज का मनुष्य अपने झूठे अहंकार में इतना डूबा हुआ है कि उसे लगता है, वह रावण से कहीं श्रेष्ठ है। लेकिन सच्चाई यह है कि वर्तमान समाज का नैतिक स्तर रावण के चरणों की धूल के बराबर भी नहीं। रावण ने एक स्त्री का हरण किया, यह उसका दोष था, किंतु क्या आज का समाज उस दोष से मुक्त है? आज जब हम आए दिन समाचार पत्रों में बलात्कार, शोषण, स्त्रियों पर अमानवीय अत्याचार की घटनाएं पढ़ते हैं, तो यह सोचना चाहिए कि उस एक घटना को केंद्र में रखकर रावण को ÷खलनायक÷ बना देना और आज के समाज की निरंतर होती क्रूरताओं पर मौन रहना, क्या ईमानदारी है? यदि रावण दोषी था तो उसका परिमार्जन भी उसी क्षण हो गया जब राम ने उसे मरणासन्न स्थिति में गुरु मानकर शिक्षा लेने का निर्देश दिया। पर आज के मानव की औकात कहां कि वह इस स्तर का आत्मचिंतन कर सके।

राम ने रावण को शत्रु होते हुए भी मान्यता दी। उन्होंने रावण के पराक्रम, उसकी विद्या और उसकी तपस्या का सम्मान किया। यही मर्यादा पुरुषोत्तम की विशेषता थी कि वे शत्रु में भी अच्छाई को पहचानते थे। पर आज का समाज शत्रु में अच्छाई नहीं देख सकता, मित्र में ईमानदारी नहीं खोज सकता, परिवार में विश्वास नहीं रख सकता। हम सब अपने-अपने नकली आवरण में इतने उलझ गए हैं कि सच्चाई को पहचानने की क्षमता खो चुके हैं। हम अपने अहंकार में इतने डूब चुके हैं कि हर दिन रावण का पुतला जलाने के बाद भी अपने भीतर के रावण को और अधिक मजबूत करते जाते हैं।

यदि रावण को केवल दोष का प्रतीक मानना है तो क्यों न आज का समाज पहले अपने अपराधों के दर्पण में झांके। रावण ने अपनी बहन शूर्पणखा की रक्षा के लिए, अपने वंश और राज्य के सम्मान के लिए युद्ध किया। क्या आज के समाज में कोई बहन अपने भाई से यह आशा कर सकती है कि वह उसके सम्मान के लिए इतना बड़ा त्याग करेगा? रावण ने युद्ध भूमि में सीधी लड़ाई लड़ी, छल और कपट से दूर रहा। आज का समाज तो पीठ पीछे वार करता है, धोखे और साजिश में पलता है, और फिर भी विजय का दावा करता है।

रावण ने जीवन के अंतिम क्षणों में भी नीति का पाठ पढ़ाया। उसने लक्ष्मण को बताया कि जीवन में कभी शत्रु को हल्के में मत लेना, समय का महत्व पहचानना और अच्छे कार्यों को तत्काल करना चाहिए, उन्हें टालना नहीं चाहिए। यह शिक्षा आज के समाज के लिए सबसे बड़ी सीख हो सकती है, किंतु क्या हम इसे अपनाते हैं? हम तो अपने लाभ के लिए हर नियम तोड़ते हैं, हर सिद्धांत को तोड़ते हैं, और हर आदर्श को अपमानित करते हैं। हमारी राजनीति छल, धोखे, भ्रष्टाचार और स्वार्थ का केंद्र बन चुकी है। समाज में रिश्ते केवल लेन-देन का साधन हो चुके हैं। शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान नहीं, बल्कि व्यापार हो चुका है। न्याय केवल शब्दों में रह गया है, व्यवहार में अन्याय की विजय है। यदि कोई आदर्श आज भी हमें रास्ता दिखा सकता है, तो वह रावण जैसे विद्वान के जीवन की शिक्षा ही है, जिसे राम ने स्वीकार किया था।

आज का मनुष्य उस रावण को जलाकर सोचता है कि उसने बुराई पर विजय पा ली। लेकिन सच यह है कि विजय तो दूर, वह बुराई को और अधिक गहराई से अपने भीतर पाल रहा है। हिंसा, अत्याचार, भ्रष्टाचार, स्त्रियों का शोषण, जातीय और धार्मिक भेदभाव–क्या यह सब आज के समाज की सच्चाई नहीं है? यदि रावण का दोष केवल एक स्त्री का हरण था, तो आज का समाज तो हर दिन, हर पल असंख्य स्त्रियों की अस्मिता को लूट रहा है। यदि रावण का दोष उसका अहंकार था, तो आज का मनुष्य तो अहंकार का मूर्त रूप बन चुका है, जहां परिवार, समाज और राष्ट्र सब बौने हो जाते हैं, केवल %मैं% शेष रह जाता है।

वास्तविकता तो यह है कि आज के समाज में रावण का पुतला जलाने का कोई नैतिक औचित्य ही नहीं बचा है। क्योंकि आज के मनुष्य में न तो रावण जैसी विद्वत्ता है, न नीति है, न पराक्रम है, न तपस्या है। हम केवल रावण का नाम लेकर अपने भीतर के पापों को छुपाना चाहते हैं। हमें लगता है कि पुतला जलाने से बुराई जल गई, लेकिन सच यह है कि पुतला जलाने से केवल हमारे अपने आदर्श ही जलते हैं। क्योंकि बुराई को जलाने का अर्थ है आत्म-संशोधन, आत्म-अवलोकन और आत्म-विकास–और यह काम आज का मनुष्य करना ही नहीं चाहता।

समाज की यह गिरावट केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं, बल्कि सामूहिक है। धर्म के नाम पर हिंसा, राजनीति के नाम पर छल, शिक्षा के नाम पर व्यापार और न्याय के नाम पर सौदेबाज़ी–यही आज का यथार्थ है। ऐसे समाज में यदि रावण जीवित होता तो शायद वह भी हम पर हंसता कि तुम मुझे जलाकर क्या पाओगे? मेरी विद्या, मेरा ज्ञान, मेरी नीति और मेरी तपस्या तो तुम्हारे भीतर कभी रहे ही नहीं, और न ही तुममें उसे अपनाने की शक्ति है।

समाज के इस अधःपतन को देखकर यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज का मनुष्य न तो रावण को समझ सकता है, न राम को। राम ने रावण को भी सम्मान दिया, हम तो अपने ही भाई को अपमानित करने से बाज नहीं आते। राम ने शत्रु में अच्छाई देखी, हम तो मित्र में भी बुराई खोजने लगते हैं। राम ने विजय के बाद सीता की अग्नि-परीक्षा जैसी परंपरा भी निभाई, क्योंकि समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत करना आवश्यक था। आज का समाज तो अपनी जिम्मेदारियों से भागता है, आदर्शों से मुंह मोड़ता है और नैतिकता को तिरस्कृत करता है।

इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि रावण का पुतला जलाने से पहले हम अपने भीतर झांकें। पूछें खुद से कि हमने रावण से क्या सीखा? क्या हम उस विद्वत्ता को अपनाएंगे जो उसने लक्ष्मण को सिखाई? क्या हम उस पराक्रम और नीति को समझेंगे जो उसने अपने जीवन में निभाई? या फिर हम केवल हर साल एक प्रतीकात्मक दहन करके यह दिखावा करेंगे कि हम बुराई से लड़ रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हम बुराई में ही जी रहे हैं?

रावण का दहन बुराई का प्रतीक है, लेकिन उससे कहीं बड़ा प्रतीक यह है कि बुराई को पहचानो, स्वीकार करो और उसे अपने भीतर से मिटाओ। यही राम का संदेश है, यही रावण का ज्ञान है और यही जीवन का सत्य है।

डॉ किशोर कुमार पंत
।। सोसल एक्टिवीस्ट ।।
(संयोजक, वनाग्नि विहिन हिमालय अभियान)

पापांकुशा एकदशी का व्रत करने से मिट जाते है सभी पाप

कांतिलाल मांडोत

आज पापांकुशा एकादशी का पर्व है। पर्व का अर्थ है, कुछ विशेष दिन। पर्व पवित्रता और श्रेष्ठता का भी सूचक है। ज्योतिष के अनुसार प्रत्येक पत्र की पाँच तिथियाँ पर्व-तिथि कहलाती हैं। द्वितीया, पंचमी, अष्टमी, एकादशी तथा चतुर्दशी एवं पूर्णिमा। पर्व-तिथि मानने का भी एक मनौवैज्ञानिक तथा कर्मशास्त्रीय कारण है।द्रव्य, क्षेत्र, काल, समय आदि का प्रभाव भी कर्मों को उदय व क्षयोपशम भाव में उनके तीव्र-मन्द प्रभाव में निमित्त बनता है। किसी समय में जैसे पुष्प नक्षत्र आदि हैं। प्रारम्भ की गई ज्ञानाराधना तथा अमुक नक्षत्र में ध्यान-साधना विशेष शीघ्र फलदायी होती है। वैसे ही अमुक तिथि को किया गया अमुक कार्य शीघ्र लाभदायी होता है। तिथियों का सम्बन्ध ज्योतिष शास्त्र से है। ज्योतिष का आधार है यह कर्मयोगी। मुख्य बात यह है कि इन तिथियों में विशेष धर्मध्यान, तप, त्याग करके शुभ भावनापूर्वक समय को सार्थक बना देने का उद्देश्य है, जिससे प्राणी को शुभ गति का बंध हो सकता है। दो दिन के अन्तर से एक दिन जीवन में शुभ ध्यान ध्याने के उद्देश्य से पर्व-तिथियों में उपवास, एकासना या विविध त्याग करके धार्मिक संस्कारों को जीवन्त रखा जाता है। इन्हीं पर्व-तिथियों में पापाकुंशा एकादशी एक विशेष पर्व है। एकादशी की लिखावट की ओर ध्यान दीजिये। इसमें एक का अंक दो बार लिखा गया है। गणित में 1से 1 तक के अंक हैं। इनमें 1 का अंक कुछ विशेष महत्त्व रखता है।1 यह एकाकी शक्ति है। यदि इसके पास एक दूसरा 1अंक रख दिया तो दो एका 1-1 मिलकर ग्यारह (11) हो गये। दो एक मिलते ही एक की शक्ति दस गुनी बढ़ गई। अध्यात्मशास्त्र में पहला 1 अंक ज्ञान का प्रतीक है, दूसरा 1अंक आचरण का प्रतीक है। अगर अकेला ज्ञान है, तो वह मात्र एक के अंक का मूल्य रखता है, किन्तु यदि ज्ञान के साथ आचरण भी जुड़ गया तो उस ज्ञान की शक्ति गुना बढ जाती है। आज पूरी श्रद्धा के साथ पापाकुंशा एकादशी का व्रत कर प्रभु से घर मे सुख शांति का वरदान की कामना करता है।बड़े बड़े अपराध समाप्त हो जाते है।सभी पाप नष्ट हो जाते है।जीवन मे सौभाग्य की कामना के लिए इस व्रत का बहुत अधिक महत्व है।पपांकुशा एकादशी के व्रत के पीछे पौराणिक मान्यता है कि इस व्रत को करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।हिन्दू धर्म मे एकादशी का बड़ा महत्व है।हर माह में शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की एकादशी का बहुत महत्व है।ये तिथियां भगवान विष्णु को समर्पित होती है।भगवान को समर्पित होने वाली तिथियां का महत्व बढ़ जाता है।उस तिथि पर व्रत,दान और तप आराधना का फल शीघ्र मिलता है।आज अश्वनी माह की शुक्ल पक्ष की पापांकुशा एकदशी का व्रत कर भगवान से सुख -समृद्धि का वरदान मांगते है।

पापों के नाश करने वाली पापांकुशा एकादशी मन की शांति और समृद्धि का धोतक है।यह एकादशी मन वांछित फल प्राप्ति के लिए वरदान से कम नही है।मृत्यु के पश्चात मोक्ष प्रदान करती है।लोगो की मान्यता है कि इस व्रत को रखने के लिए यमलोक की यातना से छुटकारा मिल जाता है।

एसएचओ शैंकी चौधरी प्रकरण पर समर्थक बोले - गलती इंसान से होती है, विलेन मत बनाइए

पथ प्रवाह, देहरादून

निलंबित राजपुर थाना प्रभारी शैंकी चौधरी इन दिनों चर्चाओं में हैं। हाल ही में शराब के नशे में उनके खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद कुछ लोग सोशल मीडिया पर उन्हें कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। लेकिन इसी बीच उनका बचाव करने वालों की आवाजें भी सामने आ रही हैं। शैंकी चौधरी के नेक कार्यो की तस्वीरे सोशल मीडिया पर वायरल है। जबकि शैंकी चौधरी ने बताया कि उनकी तबीयत खराब थी। दवाई खाने के कारण अर्द्ध बेहोशी की हालत में गाड़ी से नियंत्रण खो बैठे। जिस मेडिकल स्टोर से दवाई ली वहां की सीसीटीवी फुटेज दे दी गई है। खून का सेंपल दे दिया गया है।

समर्थक सतपाल धनिया का कहना है कि गलती हर इंसान से हो सकती है, एसएचओ शैंकी चौधरी से भी हुई और उन्होंने उसका खामियाजा भी भुगता। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उन्हें विलेन घोषित कर दिया जाए।

समाजहित में किए असंख्य कार्य

शैंकी चौधरी के पक्ष में सामने आए लोगों ने यह भी तर्क दिया कि शैंकी चौधरी ने अपने कार्यकाल में कई अच्छे कार्य किए हैं और समाजहित में हमेशा आगे रहे हैं। उनकी तत्परता और सक्रियता की वजह से कई बड़े अपराधों का खुलासा हुआ है।

नौकरी का दबाव और जिम्मेदारी

समर्थकों का यह भी कहना है कि पुलिस की नौकरी 24 घंटे की होती है। कई बार आपातकालीन फोन आने पर अधिकारियों को तत्काल घर से निकलना पड़ता है।

ऐसे में यदि किसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में वे नशे की हालत में बाहर निकल आए हों, तो इसे उनकी पूरी छवि पर हावी करना उचित नहीं है।

एजेंडे से छवि पर असर

पुलिस के समर्थक यह आरोप भी लगा रहे हैं कि कुछ लोग इस घटना को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं, जिससे पुलिस की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उनका कहना है कि एक गलती को आधार बनाकर पूरी फोर्स को बदनाम करना गलत है।

ट्रोलिंग से हो सकता है नुकसान

सोशल मीडिया पर ट्रोल करने की प्रवृत्ति को लेकर भी लोगों ने चिंता जताई। उनका कहना है कि इस तरह की बातें केवल व्यक्ति ही नहीं बल्कि पुलिस विभाग की समग्र छवि को नुकसान पहुँचा सकती हैं।

बताते चले कि शैंकी चौधरी ने पुलिस डयूटी में हमेशा नेक कार्यो को प्राथमिकता दी है। जनता की सेवा में तत्पर रहते है। विपरीत परिस्थितियों में अपने कर्तव्य के प्रति सजग रहते है। अनुशासित पुलिसकर्मी है। लेकिन एक गलती के लिए उनको अपराधी की तरह पेश करना सही नही ठहराया जा सकता है।

शराब पीना उनका व्यक्तिगत शौक हो सकता है। लेकिन नशे की हालत में घर से निकलना मजबूरी हो सकती है। किन कारणों में वह निकले। उसको जानना भी जरूरी है। ?

एक नजर

सूचना एवं लोकसंपर्क विभाग में गांधी जी और शास्त्री जी को दी श्रद्धांजलि

पथ प्रवाह, देहरादून। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर सूचना एवं लोकसंपर्क विभाग, उत्तराखंड में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभाग के महानिदेशक बंशीधर तिवारी सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने गांधी जी और शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के सत्य, अहिंसा और शांति के संदेशों तथा शास्त्री जी के ÷जय जवान, जय किसान÷ के अमर नारे को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वातावरण को भक्तिमय बनाते हुए सामूहिक रूप से रामधुन का गायन भी किया गया। इस अवसर पर महानिदेशक बंशीधर तिवारी के साथ अपर निदेशक आशिष त्रिपाठी, उपनिदेशक मनोज श्रीवास्तव, रवि बिजारनिया सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य आन्दोलनकारी शहीदों को दी श्रद्धांजलि

पथ प्रवाह, देहरादून। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को देहरादून स्थित शहीद स्थल कचहरी परिसर में जाकर राज्य आन्दोलनकारी शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने शहीदों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य आन्दोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान के कारण ही उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण संभव हो सका। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार आन्दोलनों में शहीद हुए लोगों और उनके परिवारों के कल्याण हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है और उनके हितों तथा सम्मान की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करती रहेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के निर्देशों पर मिलावटखोरों पर कसा जायेगा शिकंजा, चेकिंग अभियान शुरू

पथ प्रवाह, देहरादून

त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं की सेहत से किसी भी प्रकार का समझौता न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देश पर खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग उत्तराखंड ने मिलावटखोरों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू कर दिया है। नवरात्रों में पहले चरण की सफलता के बाद अब दशहरा और दीपावली को देखते हुए इस अभियान का दूसरा चरण पूरे राज्य में प्रारंभ हो गया है।

अभियान के तहत मिठाई प्रतिष्ठानों, डेयरी उत्पाद विक्रेताओं, मिष्ठान भंडारों, नमकीन और अन्य खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं विक्रय स्थलों पर सघन सैंपलिंग और निरीक्षण किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री धामी के निर्देश

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ÷त्योहार खुशियों और मिलन का समय होते हैं। मेरी प्राथमिकता यह है कि हर घर की थाली शुद्ध रहे और हर परिवार की खुशियाँ सुरक्षित रहें। जनता के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं होगा। विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि मिलावटखोरों के खिलाफ बिना किसी रियायत के कठोर कार्रवाई की जाए। त्योहारों की खुशियाँ मिलावट से मुक्त हों, यही हमारी सरकार की जिम्मेदारी है।÷

एफडीए का राज्यव्यापी अभियान

गढ़वाल और कुमाऊँ मंडल के सभी जिलों में गठित टीमें लगातार छापेमारी और सैंपलिंग कर रही हैं। यात्रा मार्गों पर विशेष जांच अभियान चलाए जा रहे हैं और मोबाइल वैनों से मौके पर ही खाद्य सामग्री की जांच की जा रही है। मुख्यालय स्तर से अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी स्वयं अभियान की निगरानी कर रहे हैं और जिला स्तर पर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे हैं।

उपभोक्ताओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

आयुक्त एफडीए डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ÷मिठाई और दूध-डेयरी उत्पादों में मिलावट की शिकायतें इस मौसम में अक्सर सामने आती हैं, जिन्हें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमारा संकल्प है कि हर उपभोक्ता को शुद्ध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाए।÷

दोषियों पर सख्त कार्रवाई

त्योहारों के दौरान मिलावटखोरों की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए विभाग ने विशेष रणनीति बनाई है। प्रत्येक जिले की टीमें दूध, खोया, घी, तेल, मसाले और अन्य लोकप्रिय खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशालाओं में जांच हेतु भेज रही हैं। दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जा रही है। अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी ने कहा कि मुख्यालय से अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने दिखाई बाइक रैली को हरी झंडी, वन्यजीव सप्ताह का शुभारंभ

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में राज्यव्यापी वन्यजीव सप्ताह-2025 का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने वन विभाग द्वारा आयोजित बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह बाइक रैली घण्टाघर, परेड ग्राउंड और सर्वे चौक से होती हुई मालसी जू तक पहुँची। रैली का उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाना रहा। हर वर्ष अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में मनाए जाने वाले वन्यजीव सप्ताह का मकसद वन्यजीवों की रक्षा और उनके प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। इस वर्ष का 74वाँ वन्यजीव सप्ताह ÷मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व÷ थीम पर आधारित है।

वन और वन्यजीव संरक्षण हमारी जिम्मेदारी ः मुख्यमंत्री धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि वन और वन्यजीव पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण अंग हैं, जिनके संरक्षण के बिना जीवन संभव नहीं। उन्होंने कहा कि मानव और वन्यजीव के बीच सह-अस्तित्व ही प्रकृति की स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण की कुंजी है। सीएम ने अपील की कि सभी लोग इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध पर्यावरण सुनिश्चित करें।

विशेष आयोजन और प्रदर्शनी

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में,

वन्यजीव सप्ताह के दौरान 02 से 08 अक्टूबर तक दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र में वन्यजीव फोटोग्राफी प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, 03 अक्टूबर को मालसी जू, देहरादून में वन्यजीव संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम होगा, जिसमें जनप्रतिनिधि, पर्यावरण विशेषज्ञ और नागरिक बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव वन आरके. सुधाशु, प्रमुख वन संरक्षक हॉफ डॉ. समीर सिन्हा, प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक रंजन कुमार मिश्र सहित वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भैरव चौक से निकला विरोध जुलूस, आंदोलनकारियों ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि

पथ प्रवाह, संवाददाता - ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह, उत्तरकाशी

उत्तराखंड राज्य आंदोलन की यादों और बलिदानों को जीवित रखते हुए गुरुवार को चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के बैनर तले उत्तरकाशी में आंदोलनकारियों ने परंपरागत विरोध जुलूस निकाला।

यह जुलूस भैरव चौक से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार से होते हुए राज्य निर्माण आंदोलनकारी चौक (बस अड्डा) तक पहुंचा। आंदोलनकारियों ने हाथों में काले झंडे लेकर नारेबाजी की और तत्कालीन सरकार व पुलिस की जनविरोधी कार्यप्रणाली के खिलाफ पुतला दहन किया।

दोषियों पर कार्रवाई की मांग

इस अवसर पर समिति के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. विजेंद्र पोखरियाल ने कहा कि प्रदेश को बने वर्षों हो चुके हैं, लेकिन उस दौर के दोषियों पर अब तक कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाए।

पत्रकार की संदिग्ध मौत पर चिंता

समिति के संरक्षक चतर सिंह राणा ने हाल ही में उत्तराखंड में हुई पत्रकार की संदिग्ध मौत पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि राज्य सरकार ने उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों को बेनकाब नहीं किया, तो वे भूख हड़ताल करने को बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि ÷जिस उद्देश्य से उत्तराखंड राज्य का निर्माण हुआ था, वह आज धूमिल होता जा रहा है। पत्रकारों को सच्चाई दिखाने से रोका जा रहा है और दबाव बनाया जा रहा है, जो लोकतंत्र के लिए घातक है।÷

शहीदों को श्रद्धांजलि

कार्यक्रम के अंत में आंदोलनकारी जिला कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे और शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

16 अक्तूबर को अगली बैठक

इस मौके पर जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान, राजेंद्र प्रसाद पैन्यूली, विष्णुपाल सिंह रावत, खुशहाल सिंह बिष्ट, मूलचंद सिंह पंवार, मायाराम कंडियाल, मोहनानंद बिजलवान, यूकेडी जिला अध्यक्ष विक्रम सिंह नेगी, संतोष सेमवाल, गणेश भट्ट, प्रताप सिंह राणा, प्रताप सिंह रावत सहित बड़ी संख्या में आंदोलनकारी मौजूद रहे।

संयुक्त समिति की अगली बैठक 16 अक्तूबर 2025 को बुलाई गई है। इसमें आंदोलनकारियों की समस्याओं, वर्तमान परिस्थितियों और आगामी राज्य स्थापना दिवस को सार्थक रूप देने पर विशेष चर्चा की जाएगी। समिति ने सभी चिन्हित राज्य आंदोलनकारियों से इसमें उपस्थित होने का आह्वान किया।

स्वास्थ्य विभाग उत्तरकाशी ने स्वास्थ्य सेवा पखवाड़े में रचा कीर्तिमान, 1135 शिविरों में 42 हजार से अधिक लोगों की जांच

पथ प्रवाह, संवाददाता, उत्तरकाशी।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग उत्तरकाशी ने जहां स्वच्छता और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश दिया, वहीं 17 सितंबर से 2 अक्तूबर 2025 तक आयोजित ÷स्वास्थ्य सेवा पखवाड़ा÷ में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की। इस पखवाड़े में विभाग ने जनपदभर में 1135 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए, जिनमें 42,266 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। आज 2 अक्तूबर को कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी परिसर में ध्वजारोहण कर गांधी जी और शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद जिले की सभी चिकित्सा इकाइयों में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस (17 सितंबर) से शुरू होकर 2 अक्तूबर तक चले इस पखवाड़े में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान÷ को केंद्र में रखकर व्यापक स्तर पर शिविर लगाए गए। इन शिविरों में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की स्वास्थ्य जांच, परामर्श और आवश्यक उपचार किया गया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का यह प्रयास न केवल चिकित्सा सुविधाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने में सहायक रहा, बल्कि आमजन में स्वास्थ्य, स्वच्छता और नारी सशक्तिकरण को लेकर भी नई जागरूकता जगाने वाला सिद्ध हुआ। गांधी-शास्त्री जयंती पर स्वास्थ्य और स्वच्छता के संदेश के साथ, विभाग ने जिले को दिया स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसा।

साल्ड-ऊपरीकोट-भराणगांव मोटर मार्ग की बदहाल हालत पर डीएम नाराज़, पीएमजीएसवाई को रेस्टोरेशन व ब्लैकटॉप कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश

पथ प्रवाह, संवाददाता

उत्तरकाशी। जनपद में चल रहे विकास कार्यों और जनसुविधाओं की स्थिति का जायजा लेने के क्रम में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बृहस्पतिवार को साल्ड-ऊपरीकोट-भराणगांव मोटर मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मार्ग की दुर्दशा देखकर कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने देखा कि सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं, सतह उखड़ चुकी है और जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। इसके अलावा सड़क किनारे उगी झाड़ियों ने भी यातायात को प्रभावित कर रखा है। इस खस्ताहाल स्थिति पर जिलाधिकारी ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई।

उन्होंने ज्ञानशु-साल्ड-ऊपरीकोट-भराणगांव तक फैले 17 किलोमीटर लंबे मोटर मार्ग को यात्रियों और ग्रामीणों के लिए जीवनरेखा बताते हुए इसे तत्काल रेस्टोरेशन और ब्लैकटॉप कार्य के लिए प्राथमिकता में लेने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने पीएमजीएसवाई विभाग को इस दिशा में ठोस कार्यवाही शुरू करने के आदेश दिए और कहा कि बरसात के मौसम में मार्ग की स्थिति और खराब होने से आमजन को भारी परेशानी झेलनी पड़ सकती है। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि विभागीय लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सड़क की स्थिति को सुधारने में किसी प्रकार की देरी प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता से ली जाएगी।

इस निरीक्षण के दौरान जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दुल गोसाई, सहायक अभियंता पीएमजीएसवाई राखी खंडूरी सहित संबंधित विभागों के कई अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

सत्य-अहिंसा और 'जय जवान, जय किसान' का संदेश याद दिलाते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में लोकार्पित हुई गांधी-शास्त्री समेत पांच महापुरुषों की प्रतिमाएं

● जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने महापुरुषों की प्रतिमाओं पर अर्पित की श्रद्धांजलि, कहा- विचार और त्याग हमेशा रहेंगे प्रेरणा के स्रोत

पथ प्रवाह, संवाददाता,उत्तरकाशी। स्वाधीनता संग्राम के अग्रदूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और 'जय जवान, जय किसान' का नारा देकर देश को नई दिशा देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती गुरुवार को उत्तरकाशी में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, पंडित गोविंद बल्लभ पंत और अमर शहीद श्री देवसुमन की नव-निर्मित प्रतिमाओं का लोकार्पण जिलाधिकारी प्रशांत आर्य द्वारा किया गया। लोकार्पण समारोह में जिलाधिकारी ने प्रतिमाओं के मूर्तिकार राकेश रावत को सम्मानित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत ÷रघुपति राघव राजा राम÷ की धुन ने सभी को भावविभोर कर दिया और गांधीवादी विचारधारा का जीवंत स्मरण कराया। इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने महान विभूतियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि महात्मा गांधी जी का सत्य और अहिंसा का सिद्धांत आज भी पूरी दुनिया को राह दिखा रहा है। वहीं शास्त्री जी का 'जय जवान, जय किसान' का नारा देश की एकता और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमें इन महापुरुषों के विचारों को जीवन में आत्मसात कर एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। ये महापुरुष हमारे इतिहास के ऐसे पथप्रदर्शक हैं, जो संघर्ष, नैतिक मूल्यों, समाज सेवा और बलिदान जैसे आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देते हैं। समारोह में अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र, जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी आशीष कुमार, जिला खनन अधिकारी प्रदीप कुमार सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी, कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने इन महापुरुषों के योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

विशेष विधिक जागरूकता शिविर और रैली में दिया संदेश, नशे से दूर रहकर सुरक्षित और स्वस्थ समाज का निर्माण करें

ड्रग्स के खिलाफ उत्तरकाशी की हुंकार, नशे को जड़ से मिटाना ही अंतिम विकल्प

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह,उत्तरकाशी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी के तत्वावधान में गुरुवार को विशेष विधिक जागरूकता शिविर और रैली का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल एवं जिला जज गुरुबख्श सिंह, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी के निर्देशानुसार सम्पन्न हुआ। शिविर में नशीली दवाओं की लत और उनके दुरुपयोग से होने वाले खतरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि नशे के कारण प्रदेश का युवा वर्ग शारीरिक, मानसिक और आर्थिक क्षति झेल रहा है तथा इसका दुष्प्रभाव शिक्षा और भविष्य दोनों पर पड़ता है। इस दौरान नालसा नशीली दवाओं के दुरुपयोग से पीड़ितों के लिए कानूनी सेवाएं एवं नशीली दवाओं के खतरे का उन्मूलन योजना, 2015 का भी प्रचार-प्रसार किया गया। जागरूकता रैली के दौरान बैनर और पम्पलेट वितरित कर आम जनमानस को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों और लोगों को बताया गया कि नशे की आदत न केवल गंभीर शारीरिक और मानसिक बीमारियों को जन्म देती है, बल्कि एकाग्रता की कमी और कमजोरी भी उत्पन्न करती है। शिविर में निबंध, चित्रकला और स्लोगन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी सचिन कुमार, विद्यालय के प्रधानाचार्य सुबोध चन्द्र रमोला, शिक्षकगण, वरिष्ठ सहायक, कार्यालय सहायक और अन्य कर्मचारियों सहित लगभग 200 लोग उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय वालीबॉल और योग प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न

पथ प्रवाह संवाददाता।

पिथौरागढ़। खेल निदेशालय के सौजन्य एवं जिला प्रशासन पिथौरागढ़ के दिशा-निर्देशन में खेल विभाग, पिथौरागढ़ द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर तीन दिवसीय जिला स्तरीय वालीबॉल एवं योग प्रतियोगिता संपन्न हो गई। समापन अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

स्पोर्ट्स स्टेडियम, पिथौरागढ़ परिसर में प्रातःकालीन समय में सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, कर्मचारियों ने विशेष स्वच्छता अभियान चलाया, उसके उपरान्त जिला क्रीड़ा अधिकारी, पिथौरागढ़ अनूप बिष्ट ने झण्डारोहण किया। झण्डारोहण के उपरान्त राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र का अनावरण, माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये गये। इन महान महापुरूषों के जीवन-संघर्ष, उनकी देश सेवा, उनके जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला गया।

डीडीहाट ने जीता फाइनल मुकबाला

जिला स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला डीडीहाट एवं स्टेडियम ट्रेनीज पिथौरागढ़ के मध्य खेला गया। जिसमें प्रथम सैट में स्टेडियम ट्रेनीज ने डीडीहाट को 25-22 अंको से, दूसरे सैट में डीडीहाट ने स्टेडियम ट्रेनीज को 26-24 अकों से, तीसरे सैट में डीडीहाट ने स्टेडियम ट्रेनीज को 25-17 अंकों से चौथे सैट में स्टेडियम ट्रेनीज ने डीडीहाट को 25-21 अंकों से तथा पाँचवे सैट में डीडीहाट ने स्टेडियम ट्रेनीज को 15-12 अंकों से जीता। इस प्रकार फाइनल मुकाबला 3-2 सैटों से डीडीहाट ने जीता।

प्रतियोगिता मे निर्णायक मदन मोहन सिंह रावत, मनोहर सिंह खाती, अर्जुन सिंह, शैलेन्द्र शाह, गणेश सिंह ने निभायी। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विकास खण्डों से 09 टीमें (मुनस्यारी, धारचूला, डीडीहाट, बेरीनाग, चौकोड़ी, मुवानी, पाँखू, मल्लिकार्जुन एवं स्टेडियम ट्रेनीज पिथौरागढ़) ने प्रतिभाग किया।

योग प्रतियोगिता में दिखा प्रतिभागियों का हुनर

जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में अण्डर-08 से 10 वर्ष एवं 10 से 11 वर्ष में फाइनल में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों एवं प्रतियोगिता में सबसे कम उम्र के प्रभात नेगी, साइकृति बेरी, काव्या धामी, योगिता, शिवांश एवं विराट धामी को विशेष सांत्वना पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका में सुनील कुमार, हेना धामी, अनिल चंद, भुवन चन्द पन्त और मुकुल पाठक ने निभायी। योग प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों(स्टेफर्ड पब्लिक स्कूल, एशियन एकेडमी, न्यू वीरशिवा, एम0वी0एम0, हिमालया पब्लिक स्कूल, सोर वैली, विजडम नर्सरी एण्ड स्कूल, कन्या मण्डप) से 50 बालक-बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन दीपक भट्ट एवं भूपेश बिष्ट ने किया।

विजेता खिलाड़ियों को दिया पुरस्कार

प्रतियोगिताओं के फाइनल मुकाबलों के मुख्य अतिथि डॉ0 जगदीश सिंह नेगी, जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी, पिथौरागढ़ एवं अति विशिष्ट अतिथि जिला एथलेटिक्स संघ, पिथौरागढ़ के अध्यक्ष एवं रिटायर्ड प्राचार्य प्रो0 जीत सिंह ज्याला थे, उन्होने वालीबॉल एवं योग प्रतियोगिता में फाइनल में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार, प्रमाण पत्र एवं विजेता-उप विजेता ट्राफी देकर सम्मानित किया गया तथा सभी खिलाड़ियों से गॉधी जी के जीवन संघर्ष, उनकी देश-सेवा तथा उनके जीवन के मूल्यों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर प्रताप सिंह, उप क्रीड़ाधिकारी, राजेन्द्र सिंह जेठी, कै0 देवी चन्द, ललित मोहन जोशी, जर्नादन सिंह वल्दिया आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

गुम हुए मोबाइल और पर्स को पुलिस ने ढूंढ निकाला

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। जनपद पुलिस ने गुम हुए मोबाइल फोन और पर्स को ढूंढकर उनके स्वामियों को सौंप कर उनके चेहरों पर खुशी लौटाने का काम किया है। थानाध्यक्ष नाचनी मंगल सिंह नेगी के नेतृत्व में कांस्टेबल अभिषेक गोस्वामी द्वारा ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल पर अपलोड मोबाइल गुमशुदगी रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एक मोबाइल बरामद कर सकुशल मोबाईल स्वामी नारायण सिंह निवासी मलौन थाना नाचनी के सुपुर्द किया गया। थाना बेरीनाग क्षेत्रान्तर्गत भूपेन्द्र सिंह निवासी डीडीहाट का पर्स जो गुम हो गया था, उसे बरामद कर उनके सुपुर्द किया। जनपद पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल गुमशुदा होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाने पर संपूर्ण मोबाइल की जानकारी सहित सूचना दें, ताकि शीघ्र बरामदगी सुनिश्चित हो सके।

गांधी और शास्त्री की जयंती पर चलाया स्वच्छता अभियान

पथ प्रवाह संवाददाता। पिथौरागढ़। महात्मा गांधी जयन्ती के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय पिथौरागढ़ के परिसर में समस्त कार्मिकों द्वारा स्वच्छता अभियान के कार्य में प्रतिभाग किया गया। स्वच्छता अभियान के बाद महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वगीर्य लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। लाल बहादुर शास्त्री ने देश को जय जवान जय किसान का नारा दिया। ये नारा 1962 में भारत और चीन के बीच हुए युद्ध में बहुत कारगर साबित हुआ। लाल बहादुर शास्त्री एवं महात्मा गांधी के चित्रों पर माल्यार्पण कर उनका देश के प्रति योगदान एवं समर्पण की भावना को याद किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी विजयदशमी उत्सव में शामिल, प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

पथ प्रवाह, देहरादून

विजयदशमी पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी परेड ग्राउंड में आयोजित भव्य दशहरा महोत्सव एवं रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को विजयदशमी की शुभकामनाएं दीं और भगवान श्रीराम से सभी के स्वस्थ, सुखद व समृद्ध जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि दशहरे का पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा है। यह पर्व न केवल धर्म और सत्य की विजय का प्रतीक है, बल्कि यह हमें जीवन में मर्यादा, आचरण और मानवता की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि रावण जैसा शक्तिशाली व्यक्ति भी अपने अहंकार और अधर्म के कारण पराजित हुआ, जो इस पर्व का सबसे बड़ा संदेश है।

सिर्फ पुतला दहन नहीं, बुराइयों का त्याग भी जरूरी

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि विजयदशमी के दिन हमें केवल पुतले का दहन नहीं करना, बल्कि अपने भीतर की बुराइयों को त्याग कर सदुणों और मानवता की राह पर चलने का संकल्प भी लेना है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों और वचनों का पालन करना चाहिए।

सीएम पुष्कर धामी ने कहा कि विजयादशमी पर्व यह भी याद दिलाता है कि आज भी समाज में कई ''रावण'' मौजूद हैं, जिनका संहार करने की जिम्मेदारी हमारी सामूहिक है।

व्यापारियों और उपभोक्ताओं को मिला दीपावली से पहले तोहफा

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि जीएसटी से जुड़ा केंद्र सरकार का हालिया निर्णय देशभर के साथ उत्तराखंड के व्यापारियों और उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी है। उन्होंने इसे ''दीपावली से पहले का तोहफा'' बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रदेशवासियों की ओर से आभार जताया।

''तीसरा दशक होगा उत्तराखंड का दशक''

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रधानमंत्री मोदी के उस संकल्प का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का होगा। सीएम धामी ने कहा कि इस लक्ष्य को पूरा करने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं बल्कि पूरे प्रदेश की है। चाहे शिक्षा हो, पर्यटन, उद्योग, कृषि या स्वरोजगार– हर क्षेत्र में उत्तराखंडवासियों की भागीदारी से ही यह सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश आज हर क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू रहा है और जनकल्याणकारी योजनाओं से आम नागरिकों का जीवन स्तर सुधर रहा है। राज्य सरकार भी ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' की भावना से कार्य कर रही है।

''विकल्प रहित संकल्प'' के साथ अग्रणी बनेगा उत्तराखंड

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर सरकार ''विकल्प रहित संकल्प'' के साथ उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि सभी नागरिक सत्य, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा जैसे मूल्यों को अपनाएं तो एक सशक्त, समृद्ध और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण होगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजानदास, विधायक सविता कपूर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का कोई विकल्प नहीं - मोहन भागवत

नागपुर। सर संघ चालक मोहन भागवत ने कहा है कि स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का कोई विकल्प नहीं है। हमें आत्मनिर्भर बनकर और वैश्विक एकता को ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि हम किसी पर निर्भर न रहें और अपनी इच्छानुसार कार्य करें।

संघ प्रमुख ने यहां आयोजित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी समारोह में कहा कि स्वदेशी तथा स्वावलंबन को कोई पर्याय नहीं है। ऐसे में हमें अपनी समग्र व एकात्म दृष्टि के आधार पर अपना विकास पथ बनाकर, विश्व के सामने एक यशस्वी उदाहरण रखना पड़ेगा। इसके साथ ही अर्थ व काम के पीछे अंधी होकर भाग रही दुनिया को पूजा व रीति रिवाजों के परे, सबको जोड़ने वाले, सबको साथ में लेकर चलने वाले, सबकी एक साथ उन्नति करने वाले धर्म का मार्ग दिखाना ही होगा।

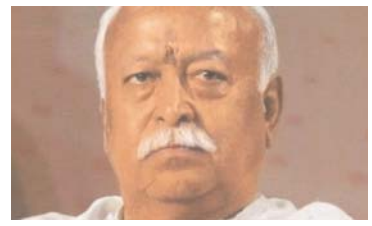

उन्होंने आगे कहा कि विश्व परस्पर निर्भरता पर जीता है, परंतु हमें आत्मनिर्भर होकर, विश्व जीवन की एकता को ध्यान में रखना होगा। हमको ऐसा बनना पड़ेगा कि जहां हम इस परस्पर निर्भरता को अपनी मजबूरी न बनने देते हुए स्वेच्छा से जी सकें।

श्री भागवत ने कहा कि देश में एक आदर्श व्यवस्था बनाने का काम सिर्फ शासन की जिम्मेदारी नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शासन की संरचना में बदलाव लाने की क्षमता और इच्छा सीमित होती है। ऐसे में सामाजिक बदलाव के लिए जागरूकता और समाज के व्यवहार में बदलाव जरूरी है। हमें सक्रिय सामाजिक जागरूकता पैदा करनी चाहिए और जो लोग ऐसा करते हैं, उन्हें बदलाव के जीवित उदाहरण बनना चाहिए।

श्री भागवत ने कहा कि देश में राष्ट्रवादी भावना का खासकर युवा पीढ़ी में सांस्कृतिक पहचान पर विश्वास और आत्म-सम्मान बढ़ रहा है। इसके साथ ही स्वयंसेवकों के साथ-साथ, कई धार्मिक, सामाजिक संस्थाएं और व्यक्ति भी समाज के वंचित तबकों की निःस्वार्थ सेवा के लिए आगे आ रहे हैं।

श्री भागवत ने कहा कि यह वर्ष गुरु तेग बहादुर जी महाराज के बलिदान का 350वां वर्ष है।

विजयदशमी महोत्सव में नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा हुए शामिल, रावण दहन कर दिया बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश

पथ प्रवाह, संवाददाता

नगर पालिका शिवालिक नगर के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने विजयदशमी के पावन अवसर पर रामलीला समिति भेल सेक्टर-1 द्वारा आयोजित दशहरा महोत्सव में भाग लिया। यह कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना एवं प्रभु श्रीराम की आरती के साथ हुआ। मंच पर स्वागत सत्कार के बाद राजीव शर्मा जी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि ÷विजयदशमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और जीवन दर्शन का उत्सव है। यह पर्व हमें यह प्रेरणा देता है कि सत्य और धर्म की राह कठिन अवश्य हो सकती है, परंतु उसकी विजय सुनिश्चित है। इसके उपरांत राजीव शर्मा ने विधिवत रावण के पुतले का दहन किया। रावण दहन के साथ ही पूरा वातावरण जय श्रीराम, बोलो सिया पति रामचंद्र की जय जैसे गगनभेदी नारों से गुंजायमान हो उठा। यह दृश्य बुराई पर अच्छाई की विजय का सजीव प्रतीक बन गया। कार्यक्रम में आसपास के क्षेत्रों से आए हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं नगरवासी उपस्थित रहे। रंगारंग झाकियों और रामलीला के मंचन ने वातावरण को और भी दिव्य बना दिया। उपस्थित जनसमूह ने भगवान श्रीराम की लीलाओं से प्रेरणा लेते हुए सामाजिक बुराइयों–जैसे नशाखोरी, भ्रष्टाचार और कुरीतियों–को त्यागने का संकल्प लिया। समारोह के सफल आयोजन पर राजीव शर्मा ने रामलीला समिति भेल सेक्टर-1 के पदाधिकारियों, कलाकारों एवं आयोजकों को हार्दिक बधाई दी और कहा कि ऐसे सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विजयदशमी पर्व पर रावण दहन कार्यक्रम में पहुंचे जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जमालपुर कलां और मिस्सरपुर गांव में विजयदशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर दोनों गांवों में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम की शुरुआत में उन्होंने भगवान श्रीराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर मंगल तिलक किया और उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इसके बाद विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत अहंकार, अन्याय और अधर्म के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया गया। अमित चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि विजयदशमी का पर्व यह संदेश देता है कि असत्य और अन्याय चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, सत्य और धर्म की विजय निश्चित है। उन्होंने कहा कि समाज को रामायण से शिक्षा लेनी चाहिए और बुराइयों का त्याग कर आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशा, भ्रष्टाचार और सामाजिक कुरीतियों जैसे आधुनिक रावणों को मिलकर समाप्त करें। उन्होंने कहा कि संस्कार और संस्कृति ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इसे आगे बढ़ाना सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। पुतला दहन होते ही मैदान जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा और बच्चों में खासा उत्साह देखा गया। कार्यक्रम का संचालन स्थानीय समिति द्वारा किया गया, जबकि भारी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

हर्षोल्लास के साथ मनायी गई लाल बहादुर शास्त्री और गांधी जी की जयंती

पथ प्रवाह संवाददाता।

पिथौरागढ़। महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती जनपद पिथौरागढ़ में हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जनपद के समस्त शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों, कार्यालयों तथा विद्यालयों में ध्वजारोहण किया गया एवं महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रमों की श्रृंखला में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व शास्त्री जी के जीवन मूल्यों–सत्य, अहिंसा, शांति एवं स्वच्छता पर प्रकाश डाला गया तथा उपस्थित जनों को इन मूल्यों के पालन की शपथ दिलाई गई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके परिजनों को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। विद्यालयों में प्रभात फेरी, निबंध लेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में गांधी जी एवं शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा सत्य, अहिंसा, शांति एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर जनपद के समस्त विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य कार्यक्रम जनपद मुख्यालय स्थित गांधी चौक पर आयोजित किया गया, जहाँ सर्वधर्म सभा का आयोजन हुआ। डीडीहाट के माननीय विधायक बिशन सिंह चुफाल द्वारा गांधी जी के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, उनके सिद्धांतों तथा शास्त्री जी के देशहित में किए गए कार्यों–विशेषकर जय जवान, जय किसान के उद्घोष–पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह, उप जिलाधिकारी सदर मनजीत सिंह, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र कविता भगत,अधिशासी अधिकारी नगर निगम राजदेव जायसी, तहसीलदार विजय गोस्वामी, जनपद के गणमान्य नागरिक एवं विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों द्वारा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीतों एवं गांधी जी के प्रिय भजनों का भावपूर्ण प्रस्तुतिकरण किया। अपर जिलाधिकारी द्वारा उपस्थितजनों को सत्य, अहिंसा, शांति, स्वच्छता तथा लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रयोग की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के अंतर्गत चरखे से कताई-बुनाई का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह व उपजिलाधिकारी सदर मनजीत सिंह ने कहा कि गांधी जी का जीवन हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है, वहीं शास्त्री जी का जीवन विपरीत परिस्थितियों में धैर्य व साहस के साथ आगे बढ़ने का संदेश देता है। पूर्वाह्न में जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट प्रांगण में ध्वजारोहण किया गया। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन द्वारा जिला चिकित्सालय, महिला चिकित्सालय, महिला कार्यशाला एवं बंदीगृह में फल वितरण किया गया। साथ ही लंदन फोर्ट में गांधी जी के चित्रों की प्रदर्शनी तथा उनके प्रिय भजनों का प्रसारण भी किया गया।

एक नजर

ड्राई डे पर पांच पेटी शराब के साथ एक गिरफ्तार

पथ प्रवाह संवाददाता। पिथौरागढ़। पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी केएस रावत के पर्यवेक्षण में एसएचओ कोतवाली पिथौरागढ़ ललित मोहन के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा चंडाक बाजार स्थित एक दुकान में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान अभियुक्त अमित पांडे पुत्र पूरन चंद्र निवासी ग्राम गुरुड़ा, पिथौरागढ़ को 5 पेटी अवैध शराब एवं बीयर के साथ गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है कि महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर शराब की दुकानें बंद (ड्राई डे) रहती हैं, जिसका फायदा उठाकर अभियुक्त ऊँचे दामों पर लोगों को शराब बेच रहा था। अभियुक्त के विरुद्ध कोतवाली पिथौरागढ़ में धारा 60 आबकारी अधिनियम में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सरेआम उत्पात मचाने के आरोप में पांच गिरफ्तार

पथ प्रवाह संवाददाता। पिथौरागढ़। थाना जाजरदेवल क्षेत्रांतर्गत लड़ाई-झगड़ा एवं गाली-गलौच कर आमजन में अशांति व उत्पात मचाने वाले पांच व्यक्तियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मनमोहन चंद, विजय चंद और राहुल चंद निवासी मूनाकोट, अजय सिंह और महाराज सिंह निवासी क्वीतड़ को आपस में लड़ाई झगड़ा करने और शांति व्यवस्था प्रभावित करने पर हिरासत में लिया गया। थानाध्यक्ष मनोज पांडेय के नेतृत्व में थाना पुलिस टीम द्वारा तत्काल प्रभाव से हिरासत में लेकर आरोपियों के विरुद्ध धारा 172 ब्नहस्स् के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की गई।

महात्मा गांधी और शास्त्री की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

पथ प्रवाह संवाददाता। पिथौरागढ़। महात्मा गांधी जी और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़, रेखा यादव के निर्देशन एवं नेतृत्व में क्षेत्राधिकारी केएस रावत तथा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सत्य, अहिंसा, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं अनुशासन के पथ पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा पर्यावरण मित्रों को सम्मानित किया।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालयः 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com